आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 06 लखनऊ, शुक्रवार 14 मई से 20 मई, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

देश में पहली बार यहां ऑक्सीजन की कमी के कारण मरने वाले लोगों के लिए मुआवजे की मांग को लेकर दायर हुई याचिका

नई दिल्ली। कोरोना के कहर से देश में कई लोगों की मौत ऑक्सीजन की कमी से हुई है. अब इस संबंध में दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है. केंद्र और दिल्ली सरकार को कोविड–१६ महामारी के दौरान अक्सीजन आपूर्ति की कमी और इस संक्रमण के कारण मरने वाले मरीजों के परिवारों को वित्तीय मुआवजा देने के लिए दिशा–निर्देश तैयार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है. एक वकील द्वारा दायर याचिका में सुझाव दिया गया है कि उन परिवारों को राहत मुहैया कराने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि या पीएम केयर्स से मुआवजा दिया जाना चाहिए जिनके पास आय का कोई जरिया नहीं है क्योंकि अनेक परिवारों ने कोविड–१६ से अपना कमाने वाला इकलौता सदस्य खो दिया. वकील पूरव मिधा ने अपनी याचिका में कहा कि चूंकि कोविड–१६ से मरने वाले लोगों की संख्या चिंताजनक स्तर तक बढ़ रही है तो सरकार को ऐसे परिवारों की मदद के लिए

एक मुआवजा योजना बनानी चाहिए. लोगों की मौत की जिम्मेवार सरकार। वकील पूरव मिधा ने कहा कि अगर महामारी के दौरान ऑक्सीजन और दवाओं की कमी के कारण लोग मर रहे हैं तो सरकारों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए क्योंकि जन स्वास्थ्य व्यवस्था महामारी से पैदा हुई चुनौतियों से निपटने में नाकाम रही. उन्होंने कहा कि सबको पता था कि कोरोना की दूसरी लहर आने वाली है इसके बाद भी इससे निपटने के लिए सरकारों द्वारा उपाय नहीं किये गये . इससे देश के कई हिस्सों में लोगों की आवश्यक ऑक्सीजन के अभाव में जान तक चली गई. आखिर इसके पीछे के जिम्मेवार कौन हैं. दिल्ली ही नहीं देश के कई हिस्सों में ऑक्सीजन की कमी के कारण लोगों की मौत हुई है. अक्सीजन की कमी के कारण हुई मौतों पर राजनीति भी जमकर हुई लेकिन मुआवजे को लेकर पहली बार कोर्ट में कोई याचिका दायर की गई है. ऐसे हालातों में अब ये देखना होगा कि इस मसले पर सरकार की ओर से क्या बयान दिये जाते हैं. बता दें कि दिल्ली के साथ ही राजस्थान, यूपी और केरल में भी ऑक्सीजन की कमा से मौतें हुई हैं।

भारतीयों को अगले हफ्ते से लगाई जाएगी रूसी स्पूतनिक वैक्सीन

नई दिल्ली। रूस की स्पूतनिक वैक्सीन का भारत में इंतजार खत्म हो गया है. नीति आयोग ने कहा है कि अगले हफ्ते से स्पूतनिक वैक्सीन देश में उपलब्ध हो जाएगी. नीति आयोग के सदस्य वीके पल ने कहा कि स्पूतनिक की एक बड़ी खेप भारत पहुंच चुकी है, अगले हफ्ते तक देश में उपलब्ध भी हो जाएगी. जुलाई महीने से ही रूस की इस वैक्सीन का देश में निर्माण शुरू हो जाएगा और करीब १५.६ डोज का उत्पादन किया जाएगा. रूस की स्पूतनिक वी वैक्सीन सिंगल डोज वाला वर्जन है. इसे एक ही शॉट लगवाना होगा.स्पूतनिक लाइट नाम की इस वैक्सीन के ८० फीसदी तक प्रभावी होने का दावा किया गया है. उन्होंने कहा कि थ्क। और **WHO** से जिन वैक्सीन को मंजूरी मिली है वो कंपनी भारत आ सकती है. एक से दो दिनों में आयात लाइसेंस दिया जाएगा. अभी कोई भी आयात लाइसेंस लंबित नहीं है. डॉ. वीके पॉल ने कहा कि अगस्त से दिसंबर में आठ वैक्सीन की २१६ करोड़ डोज हमारे पास होगी. नीति आयोग के वीके पॉल के अनुसार अब राज्यों को वैक्सीन आयात करने के लिए किसी भी तरह के लाइसेंस की जरूरत नहीं पड़ेगी. राज्यों को अब वैक्सीन के मामले में पूरी स्वतंत्रता दी गई है. डॉ. वी. के पॉल ने कहा कि भारत में अधिक से अधिक कोरोना की वैक्सीन उपलब्ध कराने के लिए लगातार हर स्तर पर काम हो रहा है. अगस्त से दिसंबर तक कुल २१६ करोड़ वैक्सीन डोज उपलब्ध होने की उम्मीद है. इसमें ५५ करोड़ कोवैक्सीन

की डोज, ७५ करोड़ कोविशील्ड की डोज, ३० करोड़ बायो ई सब यूनिट वैक्सीन की डोज, पांच करोड़ जायडस कैंडिला डीएनए की डोज, २० करोड़ नोवावैक्सीन की डोज १० करोड़ भारत बायोटेक नेजल वैक्सीन की डोज, ६ करोड़ जिनोवा की डोज और १५ करोड़ डोज स्पूतनिक की उपलब्ध होगी. आपको ये भी बता दें कि इस समय देश में भारत बायोटेक की कोवैक्सीन और सीरम इंस्टीट्यूट की कैविशिल्ड वैक्सीन लोगों को दी जा रही है. सरकार की कोशिश है कि वैक्सीन का उत्पादन बढ़ाई जाए.

राज्य सलाहकार समिति तैयार करेगी ब्लैक फंगस के इलाज का प्रोटोकॉल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना महामारी के बीच ब्लैक फंगस बीमारी ने दस्तक दे दी है। मेरठ और लखनऊ में इसके मरीज मिले हैं। खुद सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसका संज्ञान लिया है। सीएम योगी ने निर्देश दिया है कि अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य और प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा व राज्य स्तर पर गठित स्वास्थ्य विशेषज्ञों की समिति इस संबंध में रणनीति बनाएं. इसमें बचाव, सावधानियां, लाइन ऑफ ट्रीटमेंट आदि के बारे में सीएम कार्यालय को विस्तृत रिपोर्ट दें। इस निर्देश के बाद सलाहकार समिति ब्लैक फंगस को लेकर प्रोटोकल तैयार करने में जुट गई है। समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर आरके धीमान के मुताबिक ब्लैक फंगस को लेकर विस्तृत कार्य योजना तैयार की जा रही है। प्रयास है कि यह कम से कम मरीजों को प्रभावित करें। इलाज और जांच के साथ ही प्रभावित हो चुके मरीजों को अतिरिक्त इलाज देने का भी

प्रोटोकॉल तैयार किया जाएगा। गौरतलब हो कोरोना मरीजों में फंगल इन्फेक्शन, जिसे 'ब्लैक फंगस इन्फेक्शन' कहा जा रहा है, के मामले बढ़ रहे हैं। इस इंफेक्शन से सबसे बड़ा डर ये है कि ये तेजी फैलता है और लोगों के आंखों की रोशनी चली जाती है या कुछ अंग काम करना बंद कर देते हैं। लेकिन यह 'ब्लैक फंगल इनफेक्शन' या **Mucormycosis** रहस्यमई नहीं है। यह केवल बहुत दुर्लभ था। **US** सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन **(CDS)** के अनुसार डनबवतउलबवेपे एक गंभीर लेकिन दुर्लभ फंगल इंफेक्शन है जो के डवनसके के एक ग्रुप, जिसे **micromycetes** कहते हैं, के कारण होता है। यह फंगस हमारे चारों ओर मुक्त रूप में मौजूद होता है लेकिन किसी के शरीर के अंदर इन्फेक्शन को संभव बनाने के लिए इसे एक विशेष इन्वायरमेंट की जरूरत होती है। यह समान्यतः नाक ,साइनस ,आंखों में या दिमाग में पाया जाता है।" अगर यह एक बार दिमाग में फैल गया तो इसका इलाज बहुत कठिन है। यह जानलेवा इंफेक्शन है, जिसमें मृत्यु दर काफी अधिक है।

यूपी में कोरोना से २४ घंटों में २८१ लोगों की मौत, १७,७७५ नए मरीज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले २४ घंटों के दौरान कोविड–१६ संक्रमित २८१ और लोगों की मौत हो गई तथा १७७७५ नए मरीजों में इस संक्रमण की पुष्टि हुई। स्वास्थ्य विभाग ने बृहस्पतिवार को बताया

कि पिछले २४ घंटों के दौरान प्रदेश में कोविड–१६ संक्रमित २८१ और मरीजों की मौत हो गयी और राज्य में अब तक इस वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर १६६४६ हो गई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि पिछले १२ दिनों के दौरान राज्य में कोविड–१६ के उपचाराधीन मामलों की संख्या में एक लाख छह हजार की गिरावट आई है और प्रदेश में कोविड–१६ संक्रमण से उबरने का प्रतिशत अब बढ़कर ८६ हो गया है। उन्होंने बताया कि पिछले ३० अप्रैल को प्रदेश में उपचाराधीन कुल मामलों की संख्या ३१०००० थी जो इस वक्त घटकर दो लाख चार हजार ६५८ हो गई है। प्रसाद ने बताया कि पिछले २४ घंटों के दौरान राज्य में १७७७५ नए मरीजों में कोविड–१६ संक्रमण की पुष्टि हुई है। राज्य में पिछले २४ घंटों के दौरान २५३००० से ज्यादा नमूनों की जांच की गई। राज्य में अब तक चार करोड़ ३६ लाख नमूनों की जांच की जा चुकी है।

आजम खान की ऑक्सीजन रिक्वायरमेंट हुई कम, हालत स्थिर

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और रामपुर के सांसद आजम खान कोरोना पॉजिटिव हैं और उनका इलाज लखनऊ के मेदांता अस्पताल में चल रहा है। उनकी स्थिति पर लगातार डॉक्टर नजर रखे हुए हैं। मेदांता अस्पताल के निदेशक डॉ राकेश कपूर ने बताया कि पहले की अपेक्षा बीते दो दिनों से आजम खान की ऑक्सीजन की स्थिति में सुधार आया है। आजम खान की बडी में ऑक्सीजन की रिक्वायरमेंट कम हुई है। वो भोजन ले रहे हैं। उनकी हालत स्थिर है। मेदांता की पूरी टीम उनका ध्यान रख रही है। वहीं आजम के बेटे अब्दुल्ला आजम के लिए ड राकेश कपूर ने बताया कि उनकी तबीयत काफी बेहतर है। रविवार को दोनों लोगों को रामपुर जेल से लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मंगलवार को तबीयत बिगड़ने पर आजम खान को आईसीयू में शिफ्ट किया गया था।

सम्पादकीय

सच्चाई सामने है।

कोरोना संक्रमण दर लगातार कम होती जा रही है सब कुछ चाक चौबन्द है कह कर सरकार जनता का मजाक बना रही है। आज भयानक सच्चाई सामने है। लोग अनगिनत संख्या में मर रहे हैं और उनके परिजन लाशों को नदी में डाल दे रहे हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश में लगभग १०० ऐसी तैरती लाशें देखी जा चुकी हैं। ये किनकी है और कब मौत हुई ये किसी को नहीं मालूम। चूंकि मृत्यु के पहले उनकी जांच भी नहीं हुई होगी, इसलिए पक्के तौर पर कोई ये नहीं कहेगा कि ये कोरोना से हुई मौतें हैं। लेकिन ये तमाम बातें अप्रसांगिक हैं। प्रासंगिक यह है कि इस देश में पतझड़ में पेड़ से जैसे पत्ते टूट कर गिरते हैं, वैसे लोगों की मौत हो रही है। इस हाल के लिए जिनकी जवाबदेही तय होनी चाहिए, वो विदेशी अखबार से मिलते–जुलते नाम के अखबार की वेबसाइट बना कर सुप्रीम नेता के जयगान में लेख लिख रहे हैं। गांव–गांव फैल रहे संक्रमण और मौतों को रोकना उनकी प्राथमिकता नहीं है। गांवों से खबरें मिल रही हैं कि हर मौत और अधिक संक्रमण की वजह बन रही है। इसलिए अनजान लोग अंत्येष्टि परंपरागत ढंग से भीड़ जुटा कर रहे हैं और उसी तरह श्राद्ध कर्म किए जा रहे हैं। ये कहानी जैसी बिहार की है, वैसी ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और दूसरे राज्यों की भी। गांवों का हाल यह है कि लोग कोरोना संक्रमण को आज भी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। वे गांव में ही रहकर पारंपरिक तरीके से अपना उपचार कर रहे हैं। टेस्ट कराने को तैयार नहीं है। वैसे भी शहरी इलाकों में मरीजों की संख्या में अस्पतालों पर दबाव बढ़ रहा है। तो फिर गांव वालों का टेस्ट या इलाज कहां होगा। गांवों में मरीजों की बढ़ती संख्या और अस्पतालों तक बीमारों के न पहुंचने का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मध्य प्रदेश के कई ग्रामीण इलाकों में खेतों को अस्पताल बनाया गया है। लेकिन वहां भी लोग नहीं जाते। इसकी वजह से परिवार में जहां एक व्यक्ति बीमार होता है ,तो दूसरा भी उसकी चपेट में आ जाता है। तमाम रिपोर्टें बताती हैं कि ग्रामीण इलाकों में मरीजों की तादाद में वृद्धि से सरकार भी वाकिफ है। कई राज्य सरकारों ने ग्रामीण इलाकों में कोरोना चिकित्सा किट का वितरण भी किया है। लेकिन ये सब नाकाफी है।

निरक्षर, दिव्यांग और निराश्रितों के टीकाकरण पंजीयन के लिए किये जाएं उचित इंतजाम : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण दर लगातार कम होता जा रहा है जबकि रिकवरी दर हर दिन बेहतर हो रही है। विगत २४ घंटों में प्रदेश में १८,१२५ नए कोविड केस की पुष्टि हुई है, जबकि इसी अवधि में २६,७१२ लोग स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए हैं। ये जानकारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी। मुख्यमंत्री ने कहा वर्तमान में प्रदेश में २,०६,६१५ एक्टिव केस हैं, जो प्रदेश में संक्रमण के पीक ३.१० लाख से लगभग १ लाख ४हजार कम हैं। ३० अप्रैल से ११ मई के ११ दिनों में संक्रमण में आई यह कमी संतोषप्रद है। अब तक १३ लाख ४० हजार २५१ प्रदेशवासियों ने कोविड को हराकर आरोग्यता प्राप्त की है। कोविड टेस्टिंग के प्रति उत्तर प्रदेश प्रारंभ से ही एग्रेसिव नीति अपनाए हुए है। देश में सर्वाधिक टेस्ट करने वाला राज्य उत्तर प्रदेश ही है। अब तक ४ करोड़ ५१ लाख टेस्ट किए गए हैं। इनमें एक लाख आरटीपीसीआर टेस्ट सहित ०२लाख ४५ हजार टेस्ट विगत २४ घंटो में किए गए हैं। प्रयोगशालाओं की टेस्टिंग क्षमता को बढ़ाये जाने की कार्यवाही तेज की जाए। जनपदों को प्रतिदिन

डेढ़ लाख सैंपल एकत्रित कर प्रयोगशालाओं को भेजने का लक्ष्य दिया जाए। वर्तमान में १,५२,७२५ लोग होम आइसोलेशन में उपचाराधीन हैं। इनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए टेलीकन्सल्टेशन के माध्यम से चिकित्सकीय परामर्श की व्यवस्था को और बेहतर किया जाए। चिकित्सकों की संख्या, फोन लाइन की संख्या में बढ़ोतरी की जरूरत है। निगरानी समितियों के माध्यम से होम आइसोलेशन के मरीजों और जरूरत के अनुसार उनके परिजनों को मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाए। मेडिकल किट वितरण व्यवस्था की सतत मनीटरिंग की जाए। आइसीसीसी और सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से मरीजों से संवाद कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जांच कराई जाए। प्रदेश का एक भी नागरिक कोविड टीका–कवर से वंचित न हो, इसके लिए विशेष प्रबंध किया जाना आवश्यक है। निरक्षर, दिव्यांग, निराश्रित अथवा अन्य जरूरतमंद लोगों का टीकाकरण सुनिश्चित कराने के लिए कॉमन सर्विस सेंटर पर टीकाकरण पंजीयन की सुविधा प्रदान करना सुविधाजनक होगा। इस संबंध में आवश्यक व्यवस्था की जाए। पंजीयन के लिए सीएससी पर अनावश्यक भीड़ इकट्ठी न हो, कोविड प्रोटोकॉल का पालन हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

आजम खान के इलाज को लेकर प्रो. रामगोपाल और अफजाल अंसारी ने योगी सरकार पर उठाए सवाल

लखनऊ। सपा सांसद आजम खां की हालत मंगलवार को गंभीर हो गई है। उन्हें कोविड आईसीयू में रखा गया है। उनके फेफड़े में संक्रमण बना हुआ है। उन्हें पहले से ज्यादा अक्सीजन दी जा रही है। आजम खां की खराब तबीयत के लिए सपा नेता प्रो. रामगोपाल यादव ने प्रदेश की योगी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि यूपी में निंष्टतम शासकों का राज्य है। जिस तरह से आजम साहब को अकारण जेल में रखकर इलाज तक की अनुमति नहीं दी गयी वह नीचता की पराकाष्ठा है। ऐसे लोग नरकगामी होंगे ये मेरे जैसे लाखों लोगों की बद दुआएं हैं। वहीं माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के भाई और बीएसपी सांसद अफजाल अंसारी ने आजम खान के इलाज पर आशंका जाहिर करते हुए कहा

कि अब उनकी भी जान के लाले पड़े हैं। आजम खान के लिए ताना बाना रचा जा रहा है। लगता है आजम खान के लिए सारी योजनाएं बना ली गयी हैं। अफजाल अंसारी ने ही इशारों में सरकार पर कोरोना इलाज के बहाने खुन्नस निकालने का आरोप लगा दिया है। उन्होंने कहा कि आजम खान को सही इलाज मिलना चाहिए। लेकिन लगता है कि आजम खान के लिए प्लान तैयार कर लिया गया है। बता दें कि समाजवादी पार्टी के सांसद आजम खान कोरोना संक्रमित हैं और उनका इलाज लखनऊ के मेदांता अस्पताल में चल रहा है। मंगलवार को उनकी तबीयत बिगड़ने पर आईसीयू में शिफ्ट किया गया। उन्हें १० किलो अक्सीजन लोड के सपोर्ट पर रखा गया। फिलहाल उनकी कंडीशन स्थिर बताई जा रही है और वे २४ घण्टे डॉक्टरों की निगरानी में हैं।

८ जिलों के सीएमओ सहित वरिष्ठ परामर्शदाता का हुआ तबादला

लखनऊ। ८ जिलो के सीएमओ सहित बुधवार को वरिष्ठ परामर्शदाता का तबादला कर दिया गया। शासन की ओर से जारी तबादला आदेश के मुताबिक बिजनौर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सोनभद्र के जिला अस्पताल का वरिष्ठ परामर्शदाता बनाया गया है। मुरादाबाद के जिला अस्पताल के वरिष्ठ परामर्शदाता डा. विजय कुमार गोयल बिजनौर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी होंगे। हाथरस के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.बृजेश राठौर को सहारनपुर मण्डल का संयुक्त निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पीलीभीत के अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. चन्द्र मोहन चतुर्वेदी को हाथरस के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बिजनौर जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा.ज्ञान चन्द्र को हाथरस का मुख्य चिकित्सा अधिकारी बनाया गया है। बिजनौर के जिला अस्पताल के वरिष्ठ परामर्शदाता डा. अरुण कुमार बिजनौर के जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक बनाए गए हैं। अलीगढ़ के पं.दीनदयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा.अद्वैत बहादुर सिंह एटा जिला अस्पताल के वरिष्ठ परामर्शदाता बनाये गये हैं। अलीगढ़ के मलखान सिंह जिला अस्पताल के वरिष्ठ परामर्शदाता डा.शिव कुमार उपाध्याय को अलीगढ़ के ही पं.दीन दयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय का मुख्य चिकित्सा अधीक्षक बनाया गया है।

लखनऊ में १३ मई से खुलेंगी शराब की दुकानें

लखनऊ। शराब कारोबारियों के साथ–साथ सूरा प्रेमियों को सरकार ने बड़ी राहत दे दी है। शराब शौकीनों के लिए अच्छी खबर है। बीते दो साप्ताह से राजधानी में बंद चल रही शराब की दुकानें गुरुवार से खुल जायेगी। अभी तक जहां शौकीन दूसरे जिले से ब्लैक व ओवररेटिंग में शराब खरीदकर पी रहे थे अब उन्हे निर्धारित रेट में शराब मिलेगी । सुबह १० से शाम ७ बजे तक दुकानें खोलने के निर्देश दिये गये । दुकानों पर भीड़ भाड़ नहीं होने चाहिये। कोविड –१९ मानकों का पालन व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना अनिवार्य कर दिया गया है। शराब विक्रेता वेलफेयर एसोसिएशन ने राजधानी लखनऊ में शराब की दुकानें खोलने का स्वागत किया है गत दिनों शराब एसोसिएशन ने कोरोना महामारी के चलते लकडाउन में प्रदेशभर की शराब की दुकानें बंद थी जिसे करोड़ों का नुकसान प्रतिदिन का हो रहा था इस बाबत में कारोबारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर अवगत कराया था और प्रदेशभर में बंद शराब की दुकानों को खोलने की मांग की थी। एसोसिएशन के महामंत्री कन्हैया लाल मौर्या ने बताया प्रदेश सरकार ने शराब कारोबारियों की समस्याओं को संज्ञान में लिया और प्रदेशभर की शराब की दुकानें खोलने की अनुमति प्रदान की राजधानी लखनऊ में कोविड–१९ की गाइडलाइन का पालन करते हुए शराब कारोबारी कल से राजधानी लखनऊ में शराब की दुकानें खोलेंगे। शराब विक्रेता वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी महामंत्री कन्हैयालाल मौर्या , उपाध्यक्ष विकास श्रीवास्तव, नीरज जयसवाल, संजय संजय

जयसवाल, जय, नितिन सचिन जयसवाल, रमेश जयसवाल धर्मेंद्र सिंह, मनोज रावत शंकर कनौजिया तथा देवेश जयसवाल ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया और आभार जताया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आगरा मे कोविड कंट्रोल सेंटर का किया निरीक्षण

आगरा। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को आगरा पहुंचे। यहां खेरिया एयरपोर्ट पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला सीधे पथौली गांव गया। यहां कल से

तैयारियां की जा रही थीं। गांव में मुख्यंमंत्री ने लाचारीराम से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। लाचारीराम की पत्नी ने पंचायत चुनाव लड़ा था। लाचारीराम ने दो मई को कोविड टेस्टस कराया था, अब उनकी रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। इसके बाद मुख्यमंत्री नगर निगम स्थित कोविड कंट्रोल रूम पर पहुंचे। इस दौरान पुलिस ने एमजी रोड पर यातायात को कुछ देर के लिए रोक दिया था। कोविड कंट्रोल सेंटर के बाद सीएम एसएन मेडिकल कॉलेज जाएं गए और वहां व्योवस्थाओं का जायजा लिया नगर निगम की कार्यकारिणी कक्ष में पुलिस–प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य अफसरों के साथ बैठक करेंगे। शाम ७.२५ बजे राजकीय वायुयान से आगरा से लखनऊ के लिए रवाना होंगे। सीएम योगी आज अलीगढ़ भी गए थे। यहां कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएम ने सूचनाओं के आदान–प्रदान, कोविड मरीजो के रिकर्ड, आइसोलेशन की स्थिति व कोविड से बचाव की व्यवस्थाओं पर सवाल भी पूछे। मुख्यमंत्री के साथ प्रभारी मंत्री सुरेश राणा भी मौजूद रहे। यहां से सीधे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सभागार में बैठक करने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने जेएन मेडिकल कॉलेज में कोरोना वायरस संक्रमण से रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों के संबंध में विचार विमर्श किया। मेडिकल कॉलेज के डेंटल कलेज वाले अॅडिटोरियम में हुई बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष मेडिकल कॉलेज में हो रही ऑक्सीजन की आपूर्ति में परेशानी की बात भी रखी गई। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि जल्द से जल्द यह व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी कि मेडिकल कॉलेज को थोड़ी देर के लिए भी अक्सीजन का संकट न करना पड़े।

थाईलैंड की युवती की मौत के मामले में कोर्ट में मुकदमा दायर

लखनऊ। एक्टिविस्ट डॉ. नूतन ठाकुर ने थाईलैंड की युवती की रहस्यमय मृत्यु के संबंध में मुकदमा दर्ज करने के लिए आज सीजेएम कोर्ट लखनऊ में धारा १५६(३) में प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया। प्रार्थनापत्र में कहा कि उन्होंने पहले थाना विभूतिखंड और फिर धारा १५४(३) सीआरपीसी में पुलिस कमिश्नर लखनऊ को एफआईआर हेतु शिकायत दी थी। उनके द्वारा प्रस्तुत प्रार्थनापत्र में धारा ५ अनैतिक (व्यापार) निवारण अधिनियम १९५६ के साथ १२०ठ, १७७, २०१, २०३, ४६५ दंक ४६६ आईपीसी का अपराध बन रहा है, जो संज्ञेय अपराध है, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं किया गया है। नूतन ने कहा कि मामले में कई संदिग्ध तथ्य पहले ही सामने आ चुके हैं तथा तमाम आधिकारिक बयानों एवं अभिलेखों में भी भारी विरोधाभाष है। इसके बाद भी लखनऊ पुलिस जल्दीबाजी में जाँच

कर सभी आरोपित व्यक्तियों को क्लीनचिट दे रही हैं, जबकि उसे गहराई से सभी तथ्यों एवं साक्ष्यों की जांच करनी चाहिए थी। अतः उन्होंने मामले में एफआईआर करने के आदेश देने की प्रार्थना की है।

योगी सरकार के चेहरे की असलियत खुलकर सबके सामने आ गयीः अजय कुमार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने योगी सरकार पर आज बड़ा हमला बोला है। चिकित्सा मंत्री के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा उठाये गए सवालों से सरकार के चेहरे की असलियत खुलकर सबके सामने आ गयी है। प्रदेश में कोरोना संक्रमण से मौतों के बाद आज अनाथ मासूम बच्चे, मां, बहनें जिनका सुहाग उजड़ा, जिनके भाई, बहन बिना इलाज, अक्सीजन व बिना जांच के संसार त्याग गए, वह सवाल पूछ रहे हैं कि यदि इलाज हुआ है तो गंगा, यमुना की पवित्र जलधारा चिरनिद्रा में लीन किन बेटों को द्रवित होकर अपनी बाहों में आज लिये है? देश की पवित्र माटी में कितने लोग काल कवलित होकर कब्रिस्तानों में अंतिम निद्रा में जाने को मजबूर हुए हैं? टेस्टिंग के नाम पर सरकार ढोंग, ढकोसला कर रही है उसको कितने सबूत चाहिए? गांवों, कस्बों में लोगों को बुखार है, जुखाम है और सुबह आता मौत का पैगाम है। उन्होंने कहा कि

चिकित्सा शिक्षा मंत्री और सरकार को जमीनी सच्चाई का सामना कर इंसानी जानों की रक्षा करने के लिये मेडिकल सुविधाएं तत्काल उपलब्ध करानी चाहिए। भाजपा सरकार कांग्रेस के सवालों से बौखलाहट में आकर अनर्गल बयानबाजी करने के स्थान पर वह अपने दायित्वों का निर्वहन करें अन्यथा इतिहास में संक्रमण के संकट के लिये उसका कलंकित इतिहास लिखा जाएगा।

यूपी बोर्ड और विश्वविद्यालयों की परीक्षा पर 20 मई के बाद निर्णय : डॉ. दिनेश शर्मा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की हाईस्कूल, इंटरमीडिएट और विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार २० मई के बाद निर्णय करेगी। उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने आज कहा कि २० मई तक कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखा जाएगा। इसके बाद स्थिति नियंत्रण में होने पर विश्वविद्यालयों से बात की जाएगी। यदि परीक्षा कराने की स्थिति नहीं हुई तो यूजीसी गाइडलाइन के अनुसार प्रमोट करने पर विचार किया जाएगा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं को लेकर भी २० मई के बाद ही निर्णय किया जाएगा। सरकारी विभाग

समीक्षा के बाद अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत करेंगे। मुख्यमंत्री के निर्णय के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार ने कोरोना संक्रमण के मद्देनजर उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी)–२०२० को मंगलवार को स्थगित कर दिया है। बेसिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव आरवी सिंह ने इस मामले में शासनादेश जारी किया। परीक्षा नियामक प्राधिकारी सचिव की ओर से टीईटी स्थगित करने का प्रस्ताव दिया गया था। विशेष सचिव ने कहा कि संक्रमण की परिस्थितियों को देखते हुए उचित समय पर टीईटी पर निर्णय लिया जाएगा।

होम आइसोलेशन वाले कोरोना संक्रमित मरीजों को भी मिलेगा ऑक्सीजन सिलिंडर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार होम आइसोलेशन में रह रहे कोरोना संक्रमितों को ऑक्सीजन उपलब्ध कराएगी। ऐसे मरीज जिनकी

कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव है या वे जिनकी रिपोर्ट तो नेगेटिव है लेकिन खून की जांच, एक्सरे या सीटी स्कैन में उनमें कोविड के लक्षण पाए गए हैं, उन्हें किसी डॉक्टर के हस्ताक्षरित पर्चे पर ऑक्सीजन सिलिंडर उपलब्ध कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की ओर से मंगलवार को इस बारे में मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को शासनादेश जारी कर दिया गया है। होम आइसोलेशन के मरीजों को ऑक्सीजन की आपूर्ति कराते समय जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि ऑक्सीजन सिलिंडर किसी ऐसे मरीज को न दिया जाए जो पहले से किसी कोविड अस्पताल में भर्ती है। होम आइसोलेशन के मरीजों के लिए उनके परिवारीजनों द्वारा ऑक्सीजन सिलिंडर प्राप्त करने के लिए जिलाधिकारी जिले में एक या उससे अधिक स्थान चिन्हित करेंगे। मरीजों के आधार कार्ड की छायाप्रति और रोगी के इस्तेमाल के लिए सिलिंडर प्राप्त करने वाले व्यक्ति का आधार कार्ड व मोबाइल नंबर प्राप्त करने के बाद ऑक्सीजन सिलिंडर उपलब्ध कराया जाएगा। सिलिंडर का चिन्हीकरण भी कराया जाएगा।

यूपी में कहीं बारिश तो कहीं आंधी के आसार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम ने अचानक से करवट ली है। कहीं पर धूप तो कहीं पर बादल छाए हुए हैं। हवा में भी थोड़ी नमी है। जिसकी वजह से तेजी गर्मी और उमस से लोगों को आज राहत

मिलती नजर आ रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि उत्तर प्रदेश में बुधवार यानी आज गर्मी से राहत मिल सकती है। बताया जा रहा है कि लखनऊ सहित कई शहरों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, कुछ जगह धूल भरी आंधी आने के भी आसार हैं और बिजली के साथ बौछार पड़ सकती है। मौसम रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। ऐसे में अगले तीन–चार दिन तक मौसम में बदलाव आते रहेंगे। लखनऊ में बादल आते–जाते रहेंगे और बारिश की भी संभावना है। माना जा रहा है कि करीब ३ दिन तक मौसम ऐसा ही बना रहने वाला है। आपने देखा होगा कि कल सुबह आसमान साफ था। इस वजह से मैक्सीमम टेंपरेचर ३८ डिग्री सेल्सियस तक चला गया था। वहीं मिनिमम टेंपरेचर सामान्य से एक डिग्री ज्यादा (२५. ६ डिग्री) था। मई माह के १२वें दिन में भी मई वाली भीषण गर्मी देखने को नहीं मिली है। हालांकि, अधिकतम तापमान ३६ से ३८ डिग्री के बीच ही रहा है। वहीं, मौसम विभाग के की स्टडी के मुताबिक, इस पूरे हफ्ते मौसम नरम ही रहेगा। ऐसे में भयंकर गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है।

पहले गंगा में अस्थि विसर्जन होता था लेकिन अब तो शव ही विसर्जित किये जा रहे है

कोरोना की सबसे बड़ी त्रासदी अगर किसी को कहा जाए तो वो मोक्षदायनी गंगा के किनारे के अटे पड़े शवों की भयावह तस्वीरें। शव बिहार के बक्सर में मिल रहे तो बिहार की नीतीश सरकार कह रही है कि उतरप्रदेश से बहकर आ रहे है लेकिन अब तो उतरप्रदेश के गाजीपुर में गंगा नदी में शव बह रहे है। गाजीपुर में गंगा नदी में बहते शवों को देख प्रशासन सख्त हुआ है। इस पर डीएम ने जांच के आदेश दिए है। गंगा तो सदियों से बह रही है लेकिन आजतक गंगा किनारे बसे गांव वालों ने इंसानियत को शर्मसार करने वाला मंजर कभी नहीं देखा। बहते शवों को देख गांव वालों में हडकंप मच गया है। डीएम एमपी सिंह ने कहा कि हमने पेट्रोलिंग टीम बनाई है और दाह संस्कार के लिए लोगों को आगाह कर रहे है। लोग शव नदी में प्रवाहित ना करें और गंगा की निर्मलता बनाए रखें। गंगा नदी में बह रहे शव से कोई भी शर्मसार नहीं हुआ है अगर

कोई शर्मसार होुआ है तो वो है मां गंगा। पहले मां गंगा में अस्थि विसर्जन होती थी लेकिन अब तो शव ही निसर्जित किये जा रहे है। गाजीपुर के डीएम एमपी सिंह ने लोगों से कहा कि आप लोग गंगा नदीं में शव प्रवाहित ना करें, बल्कि दाह संस्कार करें। इसके साथ ही अगर कोई प्रवाहित करता है तो इसकी सूचना हमें दे। अगर कोई गरीब और असहाय है, जिसक पास व्यवस्था नहीं तो उसके लिए सरकारी मदद दी जाएगी। डीएम ने लोगों से कहा कि कोई मृतक व्यक्ति का शव नदी में प्रवाहित ना करें। अगर किसी के पास सुविधा या पैसे की कमी है तो उसे सरकारी मदद देकर अंतिम संस्कार की क्रिया पूरी की जाएगी। पेट्रोलिंग टीम रख रही है नजररू डीएम एमपी सिंह ने कहा कि गंगा में शवों के जल प्रवाह पर रोक लगाई गई है। इसके लिए पुलिस और राजस्व टीम गंगा नदी में किनारों पर नाव से नजर रख रही है। इसके अलावा शमशान घाट और अन्य जगहों पर नजर रखी जा रही है, ताकि किसी की कोई समस्या ना हो। युपी और बिहार में पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। शमशान घाट में पुलिस बल तैनात कर रखा है। पुलिस ने कड़ी नजर लगाये हुए है। जिससे कोई भी गंगा नदी में शव को प्रवाहित ना करें। इस बीच केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को मामले की जांच करने का आदेश दिया है और कहा है कि कोरोना से हो रही मौतों के बीच शवों को गंगा और और अन्य नदियों में फेंकने की घटना की सरकार जांच करे और यह सुनिश्चित करे कि ऐसी घटनाएं न हों। केंद्र ने राज्यों को यह निर्देश दिए है कि सभी राज्य सुनिश्चित करें। कहीं भी इस प्रकार की घटना ना हो। ऐसी घटना देख पुरे देश के लोगों में भय का माहौल बन गया है। इससे पहले बिहार में गंगा नदी में बहते शवों को देखा गया था तब वहां की सरकार और प्रशासन ने कहा कि ये शव यूपी से बहकर आ रहे है। शव कहीं से भी आ रहे हो आखिर है तो इंसान ही। मरने के बाद इतना अपमान। बिहार में नदी में बह रहे शवों की संख्या ११० है। बिहार में तो बह रहे शवों का अतिंम संस्कार करवाया गया। ऐसी घटनाओं के बाद प्रशासन सख्त हुआ है और जांच करने के लिए टीम गठित की है। यह सुनिश्चित करवा रही है कि ऐसी घटना फिर ना हो।

हद से ज्यादा अमानवीय हो गई है योगी सरकार : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार ने मानवता की सारी हदें पार कर दी है और वह कोरोना से जान गंवाने वाले सैकड़ों लोगों के शवों को नदी तटों पर दफना रही है और मृतकों के आंकड़े कई गुना कम करके बता रही है। प्रियंका वाड्रा ने गुरुवार को कहा, "खबरों के अनुसार बलिया, गाजीपुर में शव नदी में बह रहे हैं और उन्नाव में नदी के किनारे सैकड़ों शवों को दफना दिया गया है। लखनऊ, गोरखपुर, झांसी, कानपुर जैसे शहरों में मौत के आंकड़े कई गुना कम करके बताए जा रहे हैं।" उन्होंने कहा, "उत्तर प्रदेश में हद से ज्यादा

अमानवीयता हो रही है। सरकार अपनी इमेज बनाने में व्यस्त है और जनता की पीड़ा असहनीय हो चुकी है। इन मामलों पर उच्च न्यायालय के न्यायधीश की निगरानी में तुरंत न्यायिक जांच होनी चाहिए।" इससे पहले एक अन्य ट्वीट में योगी सरकार से टेस्टिंग, दवा और वैक्सीन हर नागरिक को उपलब्ध कराने की मांग करते हुए उन्होंने कहा, "हाई कोर्ट में उप्र सरकार का हलफनामा प्रदेश में कोरोना से लड़ने की असल कहानी बयां करता है कि टेस्ट कम हो रहे हैं। एंबुलेंस तक की व्यवस्था सही नहीं है। अक्सीजन एवं दवाई संबंधी जानकारी ही नहीं है। सरकार को कब ये एहसास होगा कि कोरोना से लड़ाई झूठ से नहीं, ज्यादा टेस्टिंग, मेडिकल सुविधाओं की उपलब्धता, घर–घर वैक्सीन से ही संभव है।"

नहीं दिखा चांद, शुक्रवार को मनाई जाएगी ईद

नई दिल्ली। म्पक २०२१रू तीस रोजे पूरे होने के बाद खुषियों का त्यौहार ईद–उल–फितर (म्पक–नस–थ्पजत २०२१) शुक्रवार को मनाया जाएगा. देश के किसी भी हिस्से में बुधवार को ईद का चांद नजर नहीं आया है. ऐसे में आज ३०वां और आखिरी रोजा रखा जाएगा. दिल्ली की फतेहपुरी मस्जिद के शाही इमाम मौलाना मुफ्ती मुकर्रम ने कहा कि दिल्ली देश के किसी भी हिस्सें में ईद का चांद नजर नहीं आया है, इसलिए ईद का त्यौहार शुक्रवार १४ मई को मनाया जाएगा. शाही इमाम ने कहा कि गुरुवार को ३०वां रोजा होगा और शव्वाल की पहली तारीख शुक्रवार को होगी. शव्वाल के महीने के पहले दिन ईद होती है. वहीं जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने एक वीडियो जारी कर कहा कि कहीं से भी चांद दिखने की कोई खबर नहीं है. ईद का चांद नहीं दिखने का ऐलान होते ही रोजेदारों ने बुधवार को तीसवें रोजे की तैयारियां शुरू दीं. लॉकडाउन में छूट के दौरान ईद की तैयारियां जोरों पर रही. इस दौरान लोगों ने सबसे ज्यादा सिवईयों की खरीदारी की. हालांकि कपड़ों की दुकानें खुली नहीं होने से लोगों में निराशा रही. लोग इध्ार–उधर भटकते नजर आए. पिछले वर्ष की तरह इस साल भी ईद पर कोरोना का साया बना हुआ है. इसलिए विशेष एहितयात के साथ इस पर्व को मनाने की बात कही जा रही है. कोरोना महामारी को देखत हुए सभी इस्लामी विद्वानों ने ईद के दिन परस्पर गले न मिलने तथा जश्न से दूरी बनाने की अपील की है.

कारोबारी नवनीत कालरा को अदालत से झटका

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कोविड–१६ मरीजों के इलाज के

लिए आवश्यक ऑक्सीजन सांद्रकों को जब्त करने के संबंध में कारोबारी नवनीत कालरा को अग्रिम जमानत देने से आज इनकार कर दिया। ये ऑक्सीजन सांद्रक राष्ट्रीय राजधानी में 'खान चाचा' समेत उसके कई रेस्त्रां से बरामद किए गए थे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संदीप गर्ग ने आदेश देते हुए कहा, अर्जी खारिज की जाती है। गिरफ्तारी की आशंका पर कारोबारी ने इस हफ्ते की शुरुआत में मामले में जमानत मांगते हुए अदालत का रुख किया था। हाल में मारे गए छापे के दौरान कालरा के तीन रेस्त्रां से ५२४ ऑक्सीजन सांद्रक बरामद किए गए थे और ऐसा संदेह है कि वह अपने परिवार के साथ दिल्ली छोड़कर चला गया है। ऑक्सीजन सांद्रक कोविड–१६ के इलाज (**Covid&19 patients treatment**) में अहम चिकित्सा उपकरण हैं।

देश में नहीं सुधरे हालात, एक दिन में ४ हजार से ज्यादा कोरोना मरीजों ने तोड़ा दम

नई दिल्ली। भारत में बेकाबू हुए कोरोना वायरस के आंकड़ों में दो दिनों की हल्की राहत के बाद एक बार फिर से थोड़ा उछाल आया है. बीते २४ घंटों में देश में कुल ३ लाख ६२ हजार ३८६ नए मामले दर्ज किए गए हैं. वहीं देष में कोरोना से मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है. बुधवार को एक ही दिन में देश में ४ हजार १२७ कोरोना मरीजों ने दम तोड़ दिया है. हालांकि अच्छी खबर यह रही कि बुधवार को ३ लाख ५१ हजार ७४० मरीज रिकवर होकर घर लौटे है. महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण की रफ्तार एक बार फिर बढ़ गई है. बुधवार को महाराष्ट्र में साढ़े ४६ हजार से ज्यादा नए मामले दर्ज किए गए और ८०० से ज्यादा लोगों की मौत हो गई संक्रमण की रफ्तार का यही हाल देश के कई राज्यों का है. राजधानी दिल्ली सहित कर्नाटक, गोवा, तमिलनाडु, केरल में संक्रमण अभी भी बढ़ रहा है. वहीं उत्तर प्रदेश में बुधवार को संक्रमण के नए मामले २० हजार से कम आए, लेकिन मौतों का रिकर्ड टूट गया. एक राहत की खबर ये है कि देश में बीमारी को मात देने वाले लोगों की संख्या २ करोड़ के करीब होने जा रही है. अब तक १ करोड़ ६७ लाख २८ हजार ५३२ मरीज स्वस्थ हो चुके हैं. महाराष्ट्र में बीते २४ घंटे के

दौरान बुधवार को एक बार फिर राज्य में ४६ हजार ७६१ नए मामले दर्ज किए गए हैं. अब राज्य में कुल मरीजों की संख्या ५२ लाख २६ हजार ७१० पर पहुंच गई है. वहीं, ८१६ नई मौतों के साथ कुल मृतकों का आंकड़ा ७८ हजार को पार कर गया है. राजधानी दिल्ली में बुधवार को संक्रमण के १३ हजार २८७ नए मामले दर्ज किए गए हैं. इस दौरान ३०० मरीजों की मौत हुई. दिल्ली में अब तक कुल १३ लाख ६१ हजार ६८६ मरीज मिल चुके हैं।

मनमानी फीस के विरोध में प्रसाद मेडिकल कॉलेज में छात्रों ने किया हंगामा

लखनऊ। राजधानी के प्रसाद मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्रों से मनमानी फीस की मांग की जा रही है। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन उनसे इंटर्नशिप के

नाम पर सलाना अवैध तरीके से ३ लाख रूपए मांग कर रहा है, जो गलत है। बातचीत में अपनी बात रखते हुए मेडिकल छात्रों ने बताया कि वह कोरोना संक्रमण काल में अपनी सेवाएं दे सकते हैं, लेकिन कलेज प्रबंधन उन्हें रोक रहा है। छात्रों ने कहा कि कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि तीन लाख रूपए दिए जाने के बाद ही इंटर्नशिप की अनुमति दी जाएगी। जबकि हम ३ मई से कॉलेज की ओर से कोविड ट्रेनिंग शेड्यूल को पूरा कर रहे हैं, लेकिन ११ मई से ड्यूटी करने नहीं दिया जा रहा है, इस कारण से हम लोग कलेज प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए मजबूर हुए है।

जी–७ समिट २०२१ में हिस्सा नहीं लेंगे पीएम नरेन्द्र मोदी, ११ से १३ जून तक ब्रिटेन में होना है आयोजन

नई दिल्ली। जी–७ समिट २०२१ : भारत में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण की वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने होने वाली जी–७ समिट में हिस्सा नहीं लेंगे. मंगलवार को विदेश मंत्रालय की तरफ से इस बात की जानकारी दी गई. विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि, यूके के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की तरफ से जी–७ समिट में शिरकत करने के लिए पीएम मोदी को दिए गए न्यौते की सराहना करते हैं. लेकिन, कोविड–१६ की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह फैसला किया गया है कि प्रधानमंत्री जी–७ सम्मेलन में व्यक्तिगत तौर पर मौजूद नहीं रहेंगे. जी–७ समिट ११ से १३ जून के बीच ब्रिटेन के

कर्नवाल में आयोजित होनी है. बोरिस जॉनसन की अध्यक्षत में इस साल आयोजित किए जा रहे जी–७ सम्मेलन में भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को विशेष तौर पर निमंत्रण दिया गया था. इससे पहले, इन चारों नेताओं के बीच १२ मार्च को वर्चुअल मीटिंग हुई थी. जी–७ में ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और यूनाइटेड स्टेट्स शामिल है. ऐसा कहा जा रहा था कि क्वाड नेताओं जैसे– अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ऑस्ट्रेलिया के पीएम स्कॉट मॉरिसन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा और पीएम मोदी के बीच जी–७ सम्मेलन के इतर कॉर्नवॉल में व्यक्तिगत तौर पर बैठकों का आयोजन होगा.

पेट्रोल–डीजल के दामों ने बढ़ाई आम आदमी की परेशानी

नई दिल्ली। चुनाव क्या खत्म हुए पेट्रोल–डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों (च्मजतवस क्पमेमस च्तपबम) ने आम आदमी परेशानी और बढ़ा दी है. देश के चारों महानगरों में लगातार तीसरे दिन पेट्रोल–डीजल की कीमत में इजाफा देखने को मिला है. पेट्रोल की कीमत में २२ से २५ पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत में २४ पैसे से २७ पैसे प्रति लीटर तक का इजाफा हो चुका है. जिसके बाद देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल के दाम ९२ रुपए प्रति लीटर के पार पहुंच चुके हैं. जबकि डीजल की कीमत ८२.५० रुपए के पार चली गई है. जबकि कई शहरों में पेट्रोल के भाव १०० रुपये लीटर के पार है. जिनमें भोपाल, इंदौर, रीवा, श्रीगंगानगर, अनूपपुर में पेट्रोल के दाम १०० रुपये लीटर से ज्यादा है. पेट्रोल डीजल के दाम में ४ मई से बढ़ोत्तरी की जा रही है. देखा जाए तो ४ मई से अब तक ७ दिन दोनों ईंधन के दाम बढ़े हैं. मात्र ७ दिन की बढ़ोत्तरी से ही पेट्रोल १.६५ रुपये वहीं डीजल १.८८ रुपये महंगा हो गया है. वहीं दूसरी ओर कच्चे तेल की कीमत में भी स्थिरता देखने को मिल रही है. ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम ६८ डॉलर पर जमे

हुए हैं. जबकि अमरीकी फ्यूल ६५ डलर प्रति बैरल से ज्यादा हैं. दिल्ली में पेट्रोल ९२.०५ रुपये और डीजल ८२.६१ रुपये प्रति लीटर है. , मुंबई में पेट्रोल ९८.३६ रुपये और डीजल ८९.७५ रुपये प्रति लीटर है. , चेन्नई में पेट्रोल ९३.८४ रुपये और डीजल ८७.४६ रुपये प्रति लीटर है., कोलकाता में पेट्रोल ९२.१६ रुपये और डीजल ८५.४५ रुपये प्रति लीटर है।

अब कोरोना वैक्सीनेशन के लिए 'आधार' की बाध्यता खत्म

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कोरोना टीकाकरण को लेकर लिए उस फैसले को वापस ले लिया है जिसमें यूपी में कोरोना टीकाकरण के लिए स्थानीय निवासी और आधार कार्ड की बाध्यता थी। अब यूपी में कोरोना टीकाकरण के लिए स्थानीय निवासी और आधार कार्ड की बाध्यता नहीं होगी। अब यूपी में निवास करने का कोई भी दस्तावेज देने पर टीकाकरण होगा। यहां रहने वाला १८ से ४४ आयु वर्ग के सभी लोग अपना व परिवार के सदस्यों का टीकाकरण करा सकते हैं। बस उसे कुछ औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक अपर्णा उपाध्याय के अनुसार प्रदेश में वर्तमान में निवास कर रहे प्रत्येक परिवार के सदस्य अपने निवास के प्रमाण पत्र के रूप

में किराया, लीज अनुबंध, बिजली का बिल, बैंक पास बुक या नियोक्ता से जारी प्रमाण पत्र दिखाकर अपना टीकाकरण करा सकते हैं। प्रदेश के १८ से ४४ आयु वर्ग के स्थायी या अस्थायी निवासियों को ही टीकाकरण के लिए सर्वोच्च प्राथमिक दी जानी है। इससे पहले सरकार ने सिर्फ यूपी वालों को वैक्सीनेशन का आदेश दिया था। नेशनल हेल्थ मिशन के डायरेक्टर की तरफ से जारी चिट्ठी में कहा गया था कि बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों के १८ से ४४ साल के लोगों ने वैक्सीनेशन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके चलते यूपी के लोगों को वैक्सीन नहीं लग पा रही है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के अलग–अलग हिस्सों में टीकाकरण का काम जारी है। प्रदेश के १८ जिलों में १८ साल से ऊपर वालों को टीका लगना शुरू हो गया है।

जरूरतमंदों को दिए लंच पैकेट

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। अंजुमन गुलामान ए सरकार ए दोआलम स.अ.व. मरकजी कमेटी ने लॉक डॉउन के मद्देनजर बृहस्पतिवार को जरूरतमंदों के लिए खाने का इंतजाम किया। शहर के विभिन्न जगहों पर पहुंचकर लोगो को लंच पैकेट बांटे। कमेटी के लोगों ने कहा कि लोगों की सेवा करने से बेहतर ईद और कैसे मनाई जा सकती है। कहा कि अल्लाह ने इस बार अपने बंदों को मदद का हुक्म दिया है। हम खुशनसीब हैं कि हम इस जिम्मेदारी को निभा रहे हैं। कमेटी के लोगों ने विभिन्न जगहों पर पहुंच कर लोगों को लंच पैकेट दिए। साथ ही उनके हाथ भी सेनेटाइज करवाए। उन्होंने लोगों से मास्क पहनने, सेनेटाइजर का इस्तेमाल करने, दो गज की दूरी रखने का भी सुझाव दिया। इस मौके पर नायब सदर मुनीर अहमद, जुबेर अहमद उर्फ राजू, खजांची मकसूद अहमद बरकाती, सेक्रेटरी हसीब खान उर्फ अय्या, रुखसार व शादाब मौजूद रहे।

अद्भुत रेत : संगीत पैदा करने वाला रेत

अमरेन्द्र सहाय अमर

राजस्थान के बाड़मेर की एक अजीब कहानी है. सुनने में भले ही अजीब लगे लेकिन थार के रेगिस्तान में स्थित एक रेतीले धोरे की मिट्टी से संगीत की स्वर लहरिया निकलती है. मौसम के साथ–साथ आवाज तेज–धीमी होती रहती है. यह धोरा बाड़मेर से अस्सी किलोमीटर दूर स्थित सेतराऊ गांव में स्थित है. खास बात यह है कि आसपास के अन्य धोरों से किसी प्रकार की आवाज नहीं निकलती. एक बार भू–वैज्ञानिक भी इस धोरे की रेत का परीक्षण कर गए, लेकिन संगीत निकलने के रहस्य तक नहीं पहुंच पाए. राजस्थान के बाड़मेर से अस्सी किलोमीटर दूर स्थित सेतराऊ गांव में पहाड़ों के निकट यह धोरा स्थित है. इसकी मिट्टी को खिसकाने या इस पर फिसलने के समय अलग–अलग तरह की संगीत की ध्वनि सुनाई देती है. मिट्टी हवा में उछालने के बाद वापस हाथ पर गिरने के समय भी ये सुनाई देता है. सैकड़ों फीट लंबे चौड़े इस धोरे के कुछ हिस्से में ही यहां यह संगीत की आवाज सुनाई देती है. सर्दी के दिनों में संगीत की ध्वनि कम हो जाती है। वहीं गर्मी बढ़ने के साथ ही तेज होती जाती है बीस साल पहले दिल्ली से आए वैज्ञानिकों के दल ने इसकी जांच की. वे इसकी मिट्टी भी अपने साथ ले गए. यह टीम भी इसका खुलासा नहीं कर सकी कि आवाज कैसे आती है. अद्भुत रेत की इस संगीत को सुनने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पर आते हैं. कुछ साल पहले क्षेत्र के लोगों ने इस धोरे की मिट्टी को पर्यटकों के बीच बेचना शुरू कर दिया था. उन्होंने अब इस पर रोक लगा दी. गांव वालों का कहना है कि यह इस धोरे से आवाज करीब पचास वर्ष से सुन रहे हैं. गाँव वालों का कहना है कि गर्मी के दिनों में इसकी आवाज काफी दूरी तक सुनाई देती है।

बाइक सवार युवक ने मासूम बच्ची को रौंदा

अलीगढ़। सिविल लाइन क्षेत्र सुदामापुरी तकिया वाली गली निवासी अतुल कुमार पुत्र स्वर्गीय जय हिंद कुमार ने आरोप लगाते हुए बताया। कि मेरी बेटी सृष्टि ३ मई कि सुबह घर से खेलने के लिए बाहर निकली थी। तभी पड़ोसी युवक अपनी बाइक को तेजी व लापरवाही से चला आ रहा था। और उसने मेरी बेटी को रौद दिया। जिससे मेरी बेटी खून से लथपथ हो गई। और पैर टूट गया। बेटी की आवाज सुनकर मैं और मेरी पत्नी घर से बाहर निकले। तुरंत ही आसपास के लोग एकत्रित हो गए। और पड़ोसी युवक से कहा कि बेटी का इलाज करा दे। उस दिन तो कह दिया उसके बाद इलाज कराने के लिए मना कर दिया। माता पिता बेटी को लेकर चौकी पहुंचे चौकी से थाने भेज दिया। पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही ना करने पर। पीड़ित अपनी बेटी मासूम को लेकर एसएसपी ऑफिस बुधवार की सुबह पहुंचा। अधिकारी से न्याय की गुहार लगाई । लेकिन एसएसपी तो नहीं मिले उनके अधीनस्थ होने आश्वासन दिया। कि आपकी कार्रवाई हो जाएगी पीड़ित अपनी बेटी को लेकर घर चला गया। अतुल का आरोप है कि मेरी बेटी का दुख देखते हुए मेरी मां लता देवी ने दम तोड़ दिया। मैं बहुत गरीब हूं बेटी का इलाज नहीं करा सकता। इसलिए मैं एसएसपी अफिस पर आया और न्याय की गुहार लगाई।

आधी रात को कैफे में बैठकर पी रहे थे हुक्का, पुलिस ने १६ लोगों को किया गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में राजभवन के सामने एम्परर कैफे में पुलिस ने रात १ बजे छापेमारी की। इस दौरान कैफे में हुक्का पीते १६ आरोपियों को पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ लिया। तलाशी के दौरान मौके से भारी मात्रा में हुक्के, फ्लेवर,और लग्जरी कारें बरामद की गई हैं। पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करके अपने साथ थाने लेकर आई है। यहां उनसे पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक लॉकडाउन के बावजूद यहां बीते कई दिनों से चोरी छिपे देर रात तक हुक्का बार का संचालन किया जा रहा था। पुलिस को इसके बारें में लगातार शिकायतें मिली थी। जिसके बाद टीम बनाकर पुलिस ने यहां पर छापा मारा और मौके से हुक्का पीते हुए कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में पुलिस का जांच जारी है।

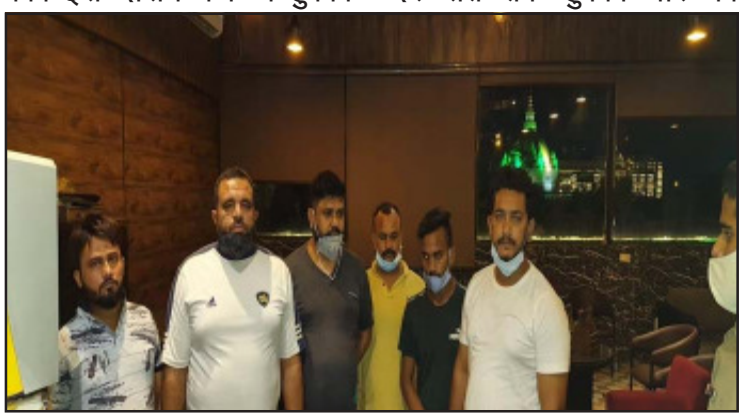

लखनऊ में ऑनलाइन क्लासेज संचालित करने वाले स्कूलों के खिलाफ होगी कार्रवाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के डीआईओएस डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने कोविड १६ के दिशा–निर्देशों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है। डॉ. सिंह ने सार्वजनिक नोटिस जारी करते हुए कहा कि सभी स्कूलों को आदेश का पालन करना होगा। जो भी विद्यालय आदेश के बावजूद स्कूल खोलेगा या ऑनलाइन क्लासेज संचालित करेगा। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि राजधानी में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए २० मई तक सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश पूर्व में ही जारी किया जा चुका है। ऑनलाइन ऑनलाइन क्लासेज को भी स्थगित किया गया है। इसके बावजूद तमाम प्राइवेट स्कूल कोविड–१६ के नियमों का उल्लंघन करके ऑनलाइन क्लासेज संचालित कर रहे हैं। इसकी शिकायत डीआईओएस तक पहुंची हैं। जिसके बाद से डीआईओएस ने सभी स्कूलों के लिए सार्वजनिक नोटिस जारी किया है। वहीं राजाजीपुरम स्थित लखनऊ पब्लिक कॉलेज सरकारी आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए ऑनलाइन क्लासेज का संचालन कर रहा है। यहां जिला विद्यालय निरीक्षक के आदेश के विपरीत ऑनलाइन क्लासेज हो रही हैं। ऑनलाइन क्लासेज के पैरेंट्स से बकायदा फीस वसूली जा रही है है। इसके लिए फीस काउंटर भी खोल रखा है। अनलाइन क्लासेस पर रोक को लेकर अनेटेड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने अपना बयान जारी किया है। उन्होंने २० मई तक ऑनलाइन क्लासेस को बंद रखने के सरकारी आदेश का विरोध किया है। अनिल अग्रवाल ने सरकारी आदेश पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों से सवाल किया कि जब अनलाइन फूड डिलीवरी और शराब की दुकानें खुल सकती हैं तो ऑनलाइन क्लासेस क्यों नहीं हो संचालित हो सकती हैं? इसका जवाब उन्हें देना चाहिए।

अलीगढ़ में निकले २५० पॉजिटिव

अलीगढ़। आज लैब की जांच में २५० लोगो की कोरोना जांच रिपोर्ट पजिटिव आई ,३०६ स्वस्थ को किया डिस्चार्ज। जनता से अपील की है कि लोग कोविड के नियमो का पालन करें,मास्क प्रयोग, सोशल डिस्टेंसिंग बनाकर रहें। यदि आप या आपका कोई जानकार कोरोना संक्रमित के संपर्क में आया है तो तत्काल उसकी सूचना जिला प्रशासन या कंट्रोल रूम को दें ताकि कोरोना की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्यवाही की जा सके।

जहरीली शराब पीने से २४ लोगों की मौत, कई की हालत अभी भी गंभीर

लखनऊ। देश में कोरोना के साथ ही कई और कारणों से लोगों की मौत का सिलसिला लगातार जारी है. ताजा मामला उत्तर प्रदेश (यूपी) से है. कोरोना के कहर के बीच जहरीली शराब का धंधा भी खूब जोर शोर से चल रहा है. आंबेडकर नगर, बदायूं और आजमगढ़ में शराब कारोबारी बेरोकटोक धंधा कर रहे है. वहीं जहरीली शराब पीने से अबतक २४ लोगों की मौत हो चुकी है, और कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं. वहीं, जहरीली शरीब मामले में पुलिस ने दो लोगों की गिरफ्तार किया है. इन लोगों से इनके गैंग के बारे में पूछताछ चल रही है. घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार , बीते दिनों आजमगढ़ के मित्तूपुर बाजार में शराब पीने के बाद दो दर्जन से ज्यादा लोगों की तबीयत खराब हो गई. इसके बाद सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया. लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और मंगलवार तक १८ लोगों की मौत हो गई. इधर, अंबेडकरनगर में भी जहरीली शराब पीने से ५ लोगों की जान चली गई. अंबेडकरनगर जिले के जैतपुर, कटका और मालीपुर में कई लोगों ने जहरीली शराब का सेवन किया. उनमें से ५ लोगों की अबतक जान जा चुकी है, और कई लोग जिंदगी और मौत के बीच खड़े हैं. अंबेडकरनगर में ५ लोगों की मौत के बाद प्रशासन की आंख खुली और आनन फानन में मामले की जांच की जाने लगी. वहीं, आबकारी विभाग ने घटना को गंभीरता से लेते हुए निरीक्षक समेत चार लोगों को निलंबित कर दिया है. साथी ही मामले की जांच की जा रही है. जहरीली शराब से हुई मौत मामले में फिलहाल पुलिस कुछ भी कहने से इनकार कर रही है. चौतपुर पुलिस का कहना है कि मौत की जांच चल रही है, जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है कि मौत कैसे हुई है. वहीं, आजमगढ़ के प्रशासनिक अधिकारियों ने फिलहाल जहरीली शराब पीने से मौत से इनकार किया है. वहीं लोगों का कहना कि मृतकों ने ठेके से लाई शराब पिया था जिसके बाद इनकी हालत बिगड़ गई।

अमुवि में शिक्षक–कर्मचारियों की कोरोना से हो रही मौत, सांसद नें लिखा पत्र

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में शिक्षकों और कर्मचारियों की कोरोना से हो रही मौतो का मामला गहराता जा रहा है। बसपा सांसद ने इस मामले प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर इस मामले में दखल देने का अनुरोध किया है।बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांसद कुंवर दानिश अली ने कोरोना वायरस संक्रमण के कारण अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के कई शिक्षकों और कर्मचारियों की मौत की पृष्ठभूमि में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा। उन्होंने पीएम से एएमयू की स्थिति का जायजा लेने के लिए एक केंद्रीय टीम भेजने का आग्रह किया।

सलमान खान के घर में कोरोना वायरस की घुसपैठ, दोनों बहनें अलवीरा और अर्पिता हुई संक्रमित

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दबंग खान यानि सलमान खान शुरु से ही अपने फैंस को कोरोना से बचने की अपील करते आ रहे हैं. लेकिन कोरोना वायरस अब उनके खुद के घर में ही घुसपैठ कर गया है. सलमान खान की दोनों बहनें अलवीरा खान और अर्पिता खान शर्मा कोरोना संक्रमित हो गई हैं. सलमान खान ने इस बात की जानकारी खुद दी है। सलमान खान ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'राधेः योर मोस्ट वांटेड भाई' को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि उनकी दोनों बहनें अर्पिता खान शर्मा और अलविरा खान अग्निहोत्री कोरोना पॉजिटिव हैं लेकिन उनमें कोई लक्षण नही हैं। सलमान खान ने कहा कि इस बार की कोरोना की सैकंड वेव बहुत ज्यादा खतरनाक है. मैंने अपने आप को कैसे बचा के रखा है ये मैं ही जनता हूं. इस दूसरी वेव को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए. पिछले साल जब कोरोना शुरू हुआ था तो हम सुनते थे कि किसी को कोरोना हुआ है, लेकिन इस बार तो हमारे घरों में करीबियों में कोरोना पॉजिटिव के केस आ रहे हैं. पिछली बार हमारे घर के ड्राइवर्स को कोरोना हुआ था, लेकिन इस बार इसकी रफ्तार बहुत ज्यादा तेज है. हम पता नहीं कैसे बच के अब तक निकल रहे हैं.' सलमान ने बताया कि, मुझे रोज सैकड़ों कॉल्स आते हैं. किसी को बेड चाहिए, तो किसी को ऑक्सीजन चाहिए, दवाएं नहीं मिल रही है. हम राशन से लेकर दवाएं तक २५ से ५० हजार सिने वर्कर्स को हम दे रहे हैं. जितना हमसे हो पाएगा हम करते रहेंगे।

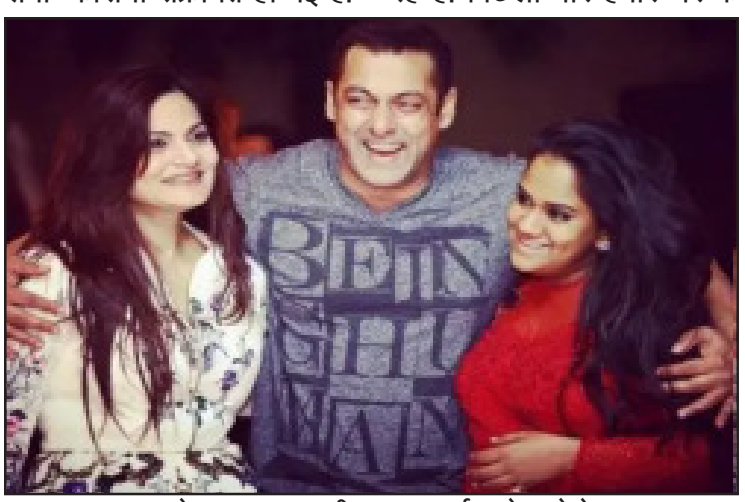

उत्तराखंड में फिर बादल फटा, प्रसिद्ध कैंची धाम में मलबा घुसा

नैनीताल। उत्तराखंड में कोरोना महामारी के बीच प्रकृति भी अपना रौद्र रूप दिखा रही है. मंगलवार को देवप्रयाग में बादल फटने की घटना हुई जिसमें भारी तबाही

आई थी. अब २४ घंटे के भीतर ही बुधवार को नैनीताल के भवाली के पास बादल फट गया. बादल फटने से भारी बारिश के पानी के साथ मलबा अल्मोड़ा को जोड़ने वाले नेशनल हाईवे पर आ गया. साथ ही इसकी चपेट में हाई–वे पर स्थित बाबा नीम करोली का प्रसिद्ध कैंची धाम भी आ गया. तेज बारिश के साथ मलबा मंदिर में घुस गया. भगवान की दया से गनीमत ये रही कि कर्फ्यू के कारण वहां लोगों की भीड़ नहीं थी. घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. बादल फटने के बाद कई स्थानों पर सड़के बंद हो गई हैं. तेज बारिश से रामगढ़ हली कैची में मलबा जमा हो गया है. कैंची मंदिर के साथ ही साईं मंदिन में मलबा आ गया है. अल्मोड़ा हल्द्वानी हाईवे ६ स्थानों पर बंद हो गया है. जिला प्रशासन जेसीबी की सहायता से सड़क से मलबा हटाने का काम कर रहा है. हली रामगढ़ में फलों के ट्रक फंस गए हैं. कैंची हली हरतप्पा रामगढ़ में तेज बारिश से जनजीवन प्रभावित है. आपको बता दें कि उत्तराख के कई इलाकों में मंगलवार को भी बादल फटने से भारी तबाही मची थी. ऐसे में कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया.

यूपी पंचायत चुनाव में जान गंवाने वाले कर्मचारियों को मिले १ करोड़ मुआवजाः हाईकोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव के दौरान कोरोना का शिकार होकर जान गंवाने वाले कर्मचारियों के परिजनों के मिलने वाला मुआवजा कम है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मंगलवार को यह टिप्पणी करते हुए मुआवजा एक करोड़ किए जाने को कहा। हालांकि, अभी कोर्ट ने कोई आदेश पारित नहीं किया है, लेकिन चुनाव आयोग और सरकार से इस पर जवाब मांगा है। जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा और जस्टिस अजीत कुमार की बेंच ने राज्य में कोरोना के प्रसार और क्वारनटीन सेंटर की स्थितियों पर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह कहा। कोर्ट ने कहा कि जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें से कई अपने परिवार का इकलौता सहारा था, उनसे जानबूझकर आयोग और सरकार ने चुनाव में ड्यूटी कराई। जिससे लोगों की मौत हुई। जबकि उनको दिया गया मुआवजा पर्याप्त नहीं है। यूपी सरकार ने इससे पहले हाईकोर्ट को बताया था कि वह मारे गए कर्मचारियों को ३५ लाख रुपये दे रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यह राशि बहुत कम है। इसे कम से कम–एक–करोड़ होना चाहिए। कोर्ट ने सरकार व आयोग से पूर्व में घोषित

मुआवजे की राशि को वापस लेने को कहा है। बता दें कोविड के बढ़ते संक्रमण को लेकर कायम जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हर जिले में ३ सदस्यीय पेन्डेमिक पब्लिक ग्रीवांस कमेटी गठित करने का निर्देश दिया है। जिसमें जिला जज से नामित सीजेएम या न्यायिक मजिस्ट्रेट, मेडिकल कलेज के प्रधानाचार्य द्वारा नामित कोई प्रोफेसर, जहां कालेज न हो वहां लेबल फोर के जिला अस्पताल के किसी अधिकारी या एडीएम रैंक अधिकारी की कमेटी बने। इसे ४८ घंटे में गठित करने का निर्देश दिया है। साथ ही मुख्य सचिव को कहा है कि सभी जिलाधिकारियों को कमेटी गठन करने के संबंध में निर्देश जारी करें। कोर्ट ने राज्य सरकार व सरकारी गैर सरकारी अस्पतालों को निर्देश दिया है कि जो कोविड संदिग्ध मौत होती है तो उसे भी कोरोना से हुई मौत माना जाये। कोई भी अस्पताल संदिग्ध मरीजों को गैर कोविड मरीज न समझे। यदि कोई सर्दी जुकाम से भर्ती हुआ है और रिपोर्ट नहीं आयी है और मौत हो जाती है तो ऐसी मौत को कोरोना मौत माना जाए। बशर्ते कि उसे हार्ट या किडनी की अन्य गंभीर समस्या न हो। कोर्ट ऐसी मौत पर कोविड प्रोटोकल का दाह संस्कार में पालन कराने का भी आदेश दिया है।

पहचान नहीं मदद की है ख्वाहिश

लोगों की मदद कर रहीं दो गुमनाम सहेलियां

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर–खीरी। जिले के लोगों को गर्व है दो गुमनाम गरीब सहेलियों पर जो बगैर फोटो खींचवाये और अपना नाम करें गरीबों की मदद कर रही हैं। कल शहर में सामान्य सी दिखने वाली दो गुमनाम सहेलियां एक झोले से लंच पैकेट निकाल कर लोगों को बांट रही थी। जब उनसे पूछा गया कि आप क्या किसी संस्था या किसी संस्थान से जुड़ी हैं तो उनका कहना था कि नहीं हम दोनों सहेलियां हैं। यह हमारी दीदी हैं जो एक स्कूल में आया का काम करती थी। हम एक कपड़े के शोरूम पर काम करते थे। हम लोगों को मालिकों द्वारा यह कहकर घर पर बिठा दिया गया कि अभी काम नहीं है जब काम होगा तब आना। तो हम लोग घर बैठ गए। एक दिन हम लोगों ने सोचा जब हम गरीब लोगों का यह हाल है तो हमसे गरीब लोगों का क्या हाल होता होगा। इसी को देखते हुए हम दोनों लोगों ने आपस में बात की और हम लोगों के पास बचत का १२ हजार रुपया रखा था जिससे हम लोगों ने घर पर ही लंच पैकेट बनाने शुरू कर दिए और लोगों को बाँट रहे हैं। जब हमने उनकी तस्वीर और उनका नाम जानने की कोशिश की तो उन्होंने कैमरा बंद कर लेने का निवेदन किया। नाम ना बताते हुए आगे निकलते चली गईं। फिलहाल इनकी सेवा में ब्याज की कमाई, हेराफेरी, चन्दे, या किसी के हक का अंश शामिल नही है। शायद सच्ची समाजसेवा इसी को कहते हैं।

कोरोना पीड़ित दुल्हन का शादी के जोड़े में ही हुआ अंतिम संस्कार, दूल्हे की हालत भी खराब

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। कोरोना अब तक कई परिवारों को समूल नष्ट कर चुका है तो कई की जिंदगियां तबाह कर दी हैं। इस बीच शादी करने वाले कई नये–नवेले जोड़े भी कोरोना पॉजिटिव होने के बाद दुनिया को अलविदा कह चुके हैं तो कई जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। अब उत्तर प्रदेश के लखीमपुर–खीरी जनपद स्थित खमरिया–खीरी में भी नये–नवेले जोड़े की जिंदगी उजड़ने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक पिछले ३० अप्रैल को शोभित और रूबी की शादी हुयी थी। ससुराल पहुंचते ही दुल्हन रूबी को तेज बुखार और सांस लेने में तकलीफ होने लगी तो शोभित के परिवार ने दुल्हन को अस्पताल में भर्ती कराया। १० दिनों तक अस्पताल में बहुत गंभीर हालत में रहने के बाद रूबी ने जिंदगी को अलविदा कह दिया। अब दूल्हा शोभित भी जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है, उसकी हालत बहुत गंभीर बनी हुयी है। शादी इस जोड़े के लिए जिंदगी का सौदा बन गया। मीडिया में आई जानकारी के मुताबिक लखीमपुर– खीरी के खमरिया क्षेत्र के ईशवारा गांव के महेंद्र कटियार के बेटे शोभित कटियार की बारात ३० अप्रैल को क्षेत्र के चकई गांव निवासी कामनाथ वर्मा के घर गई थी। एक मई को शोभित अपनी दुल्हन रूबी को विदा कराकर अपने घर ले लाया। विदाई वाले दिन ही ससुराल पहुंचते–पहुंचते रूबी को तेज बुखार हो गया और सांस लेने में बहुत तकलीफ होने लगी। हालत बिगड़ती देख शोभित और उसके परिजनों ने रूबी को जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया, जहां १० दिनों तक रूबी बजाय ठीक होने के दिन–ब–दिन और बुरी स्थिति में पहुंच गयी। कहा जा रहा है कि रूबी को दवा और ऑक्सीजन भी ठीक से नहीं मिल पायी, और नई नवेली दुल्हन अपनी जिंदगी शुरू करने से पहले ही जंग हार गयी। परिजनों का कहना है कि शोभित की भी हालत गम्भीर बनी हुई है। शोभित अपनी नई–नवेली दुल्हन रूबी की तीमारदारी में लगा था, इसलिए उसे भी बुखार और सांस लेने की तकलीफ होने लगी।

१३ जून को प्रस्तावित पीसीएस की प्रारंभिक परीक्षा कोरोना संकट के कारण स्थगित

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएसी) ने पीसीएस २०२१ की प्रारंभिक परीक्षा स्थगित कर दी है। ये इम्तिहान १३ जून को होना था। इसी के साथ होने वाली एसीएफ–आरएफओ प्रारंभिक परीक्षा २०२१ भी टल गई है। आयोग के परीक्षा नियंत्रक अरविंद कुमार मिश्र ने बताया कि प्रवक्ता राजकीय इंटर कॉलेज की परीक्षा भी स्थगित कर दी गई है। ये इम्तिहान २० जून को प्रस्तावित रहा है। यूपीपीएससी ने ये कदम कोरोना संकट की वजह से उठाया है। हालात सामान्य होने पर नई तारीख का ऐलान किया जाएगा। प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति लंबे समय से इसकी मांग कर रही थी।उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की पीसीएस २०२१ की प्रारंभिक परीक्षा के खिलाफ प्रतियोगी एकजुट हो गए थे। कोरोना संक्रमण की भयावह स्थिति का हवाला देते हुए प्रतियोगी परीक्षा स्थगित करने की मांग कर रहे थे। प्रतियोगी मुख्यमंत्री, दोनों डिप्टी सीएम व आयोग के अधिकारियों को ई–मेल से पत्र भेजकर परीक्षा टालने की मांग कर रहे थे। इसके अलावा इंटरनेट मीडिया में श्सुनो प्रतियोगियों की व्यथाश नामक मुहिम चलाई जा रही थी।

बम्हनपुर चौराहे पे लकडाउन की उड़ रही धज्जियां

निघासन खीरी। निघासन कोतवाली क्षेत्र के बम्हनपुर चौराहे पे नही हो रहा लक डाउन का पालन शासन की गाइड लाइन नियमो के अनुसार नही खुल रही दुकाने जहाँ एक तरफ पूरा देश कोरोना महामारी के कारण मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है वही दूसरी तरफ कोरोना से बेखौफ लोग खुले आम बिना मास्क के घूमते नजर आ रहे है अगर ऐसी ही लापरवाही रही तो वो दिन दूर नही जब बम्हनपुर में मौतों का आंकड़ा बढ़ने में टाइम नही लगेगा जब सरकार ने गाइड जारी किया है कि जरूरी चीजों के अलावा कोई भी दुकाने नही खुलेंगी फिर पे गैर जरूरी दुकाने खुल रही है और भीड़ इकट्ठी हो रही है। सरकार ने मेडिकल, सब्जी , पेट्रोल पंप, आदि को छूट दी है लेकिन इनके अलावा भी दुकाने खोली जा रही हैं।

दिन दहाड़े जेवर नकदी पर चोरो ने किया हाथ साफ

जंगबहादुरगंज खीरी। यहां गोविंदापुर गांव में एक मजदूर के घर चोरी हो गई है मजदूर ने पुलिस को सूचना दे दी है। पसगवां कोतवाली के गांव गोविंदापुर निवासी मजदूर देशराज ने बताया कि बुधवार की दोपहर ४ बजे उसके घर मे उस समय चोरी हो गई जब वह जंगबहादुरगंज मजदूरी करने आया था उसकी पत्नी बकरी चराने गई थी घर पर ताला लगा हुआ था। चोरी में उसने बताया कि २५०० सौ रुपये, २५० ग्राम की पाजेब , उसका एक मोबाइल, साड़ी दो, अन्य सामान चोरी हो गया। दिन दहाड़े चोरी से गांव में भय का माहौल है। वही बीते दिनों पुलिस रात्रि गस्ट की भी पोल खुली थी जब जंगबहादुरगंज चौराहे पर पुलिस पिकेट पर एक चोर ने कई दुकानों में चोरी की थी और व्यापारियों ने उसे रंगे हाथ पकड़कर पुलिस को सौंपा था। लगातार क्षेत्र में पुलिस निष्क्रिय होने से चोर सक्रिय है। और लगातार चोरी की घटना क्षेत्र में हो रही है।

योगी सरकार के कोविड प्रबंधन का कायल हुआ डब्ल्यूएचओ ग्रामीण इलाकों में अभियान की सराहना

लखनऊ। योगी सरकार के शानदार कोविड प्रबंधन पर एक बार फिर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मुहर लगा दी है। ग्रामीण इलाकों में राज्य सरकार के कोरोना के माइक्रो मैनेजमेंट का डब्ल्यूएचओ भी कायल है। विश्व्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी वेबसाइट पर यूपी सरकार के कोविड प्रबंधन की खुल कर तारीफ की है। डब्ल्यूएचओ ने यूपी के ग्रामीण इलाकों में कोरोना को रोकने के लिए चलाए जा रहे महा अभियान की चर्चा करते हुए अपनी रिपोर्ट में बताया है कि राज्य्य सरकार ने किस तरह से ७५ जिलों के ६७६४१ गांवों में घर घर संपर्क कर कोरोना की जांच करने के साथ आइसोलेशन और मेडिकल किट की सुविधा उपलब्ध कराई। विश्व्व स्वास्थ्य संगठन ने योगी सरकार के कोविड मैनेजमेंट को धरातल पर परखने के लिए यूपी के ग्रामीण इलाकों में १० हजार घरों का दौरा किया। डब्ल्यूएचओ की टीम ने खुद गांवों में कोविड मैनेजमेंट का हाल जाना। कोरोना मरीजों से उनको मिल रही चिकित्सीय सुविधाओं के बारे में पूछताछ की। इतना ही

नहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन के विशेषज्ञों ने फील्ड में काम कर रही २ हजार सरकारी टीमों के काम काज की गहन समीक्षा भी की है। डब्ल्यूएचओ ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि किस तरह यूपी के ग्रामीण इलाकों में किस तरह योगी सरकार ने सामुदायिक केंद्रों, पंचायत भवनों और स्कूलों में कोरोना मरीजों की जांच और इलाज की सुविधा दे रही है। जिले के हर ब्ल्लाक में कोविड जांच के लिए राज्य सरकार की ओर से दो मोबाइल वैन तैनात की गई है। कोरोना के खिलाफ महा अभियान के लिए स्वास्थ्य विभाग की १४१६१० टीमें दिन रात काम कर रही हैं। कोविड मैनेजमेंट की इस पूरे अभियान पर नजर रखने के लिए योगी सरकार ने २१२४२ पर्यवेक्षकों की तैनाती की है। ग्रामीण इलाकों में कोविड समेत अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए योगी सरकार ने बड़े स्तर पर स्वच्छता अभियान चला रखा है। ६० हजार से अधिक निगरानी समितियों के ४ लाख सदस्य गांवों में घर घर पहुंच कर न सिर्फ कोविड के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं बल्कि साफ, सफाई और स्वास्थ्य सुविधाओं से भी जोड़ रहे हैं। राज्य्य में इस तरह का अभियान चलाने वाला यूपी देश का पहला राज्य है।

सहायक प्रोफेसर भर्ती और इग्नू की परीक्षा स्थगित

लखनऊ। कोरोना के बढ़ते प्रभाव को देखते उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग ने सहायक प्रोफेसर की भर्ती की लिखित परीक्षा स्थगित कर दी गई है। उच्चतर शिक्षा आयोग की ओर से जारी आदेश के अनुसार विज्ञापन संख्या ४६ भूगर्भ विज्ञान और विज्ञापन संख्या ५० में विज्ञापित सहायक प्रोफेसर पदों के लिए लिखित परीक्षा होनी थी, जिसे कोविड–१६ की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा दिए गए दिशा–निर्देशों के क्रम में अपरिहार्य कारणों से अग्रिम आदेशों तक स्थगित कर दिया गया है। लिखित परीक्षा की अगली तय तिथि आयोग के पोर्टल ूनचीमेब.वतह के माध्यम से यथासमय उपलब्ध कर दी जायेगी। वहीं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने भी कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर जून टर्म एंड एग्जामिनेशन (टीईई) को स्थगित कर दिया है। यह परीक्षा १५ जून से शुरू होने वाली थी। फिलहाल परीक्षा की नई तारीखों के बारे में कोई जानकारी दी गई है। हालांकि, छात्रों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम २१ दिन पहले नई तारीखों की जानकारी दी जाएगी। इस बारे में जारी अधिसूचना के अनुसार परीक्षा का अगला कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर २१ दिन पहले डिस्प्ले किया जाएगा। इससे पहले इग्नू ने टीईई के लिए असाइनमेंट सबमिशन आखिरी तारीख ३१ मई तक बढ़ा दी थी। जिसके बाद अब परीक्षा को फिलहाल के लिए स्थगित कर दिया है। यह पहली बार नहीं जब इग्नू टर्म एंड एग्जामिनेशन के लिए असाइनमेंट जमा की समय सीमा हो। इससे पहले विश्वविद्यालय ने छात्रों को असाइनमेंट जमा करने के लिए ३० अप्रैल तक का समय दिया था। जिसके बाद इसे बढ़ाकर ३१ मई कर दिया गया था। दरअसल, विश्वविद्यालय ने कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह निर्णय किया था।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

अस्पताल में बेड नहीं मिलने से शक्तिमान ने खो दी अपनी इकलौती बहन

नई दिल्ली। कोरोना महामारी ने आम लोगों से लेकर बड़ी–बड़ी सेलिब्रिटीज तक को हिलाकर रख दिया है. उन्हें भी आम जनता की तरह मेडिकल सुविधाओं की किल्लत से जुझना पड़ रहा है. इस समस्या की वजह से टीवी के सुपर स्टार कलाकार 'शक्तिमान' और 'महाभारत' के भीष्म मुकेश खन्ना की इकलौती और बड़ी बहन कमल कपूर का निधन हो गया. बता दें, हाल ही में मुकेश खन्ना के निधन की अफवाहें भी उड़ी थीं. इन खबरों का खंडन करने के लिए, खुद मुकेश खन्ना सामने आये थे और इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए साफ तौर पर कहा था कि वे पूरी तरह से ठीक हैं. बहन के निधन की जानकारी देते हुए मुकेश खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है कि, 'कल घंटो मैं मेरी मौत की झूठी खबर का सच बताने का संघर्ष करता रहा, लेकिन मुझे पता नहीं था कि एक भयंकर सच मेरे ऊपर मंडरा रहा है. मेरी इकलौती बड़ी बहन कमल कपूर का दिल्ली में निधन हो गया, उनके निधन से काफी मर्माहत हूं. हम सब परिवार सकते में आ गए हैं. १२ दिन में कोविड को हराने के बाद लंग्स के कंजेस्चन

से वो हार गई. पता नहीं ऊपर वाला क्या हिसाब किताब कर रहा है. सचमुच मैं पहली बार जिंदगी में हिल गया हूं. अश्रुपूरित नमन, भावभीनी श्रद्धांजलि उन्होंने बताया कि उनकी बहन कोरोना पजिटिव थीं, लेकिन वह रिकवर हो चुकी थीं, इसके बाद भी उन्हें सांस लेने में तकलीफ थी. इस वजह से उनके लिए दिल्ली में आईसीयू बेड की तलाश की जा रही थी, लेकिन आखिरी वक्त तक उन्हें बेड नहीं मिला और उन्होंने अपना दम तोड़ दिया. वह अपनी बहन को आखिरी बार देख भी नहीं पाए.

राखी सावंत का वीडियो वायरल, बोली- सोनू सूद और सलमान खान हो देश के प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण से हर रोज हजारों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। अस्पताल में मरीजों के लिए जगह नहीं है। ऑक्सीजन से लेकर बेड तक की किल्लत हो रही है। देश की जनता बुरी तरह से परेशान है। मेडिकल सामग्री की कमी के चलते जनता का गुस्सा सरकार पर फूट रहा है। ऐसे में अब बिग बॉस राखी सावंत ने भी सरकार पर अपना गुस्सा निकालती नजर आई हैं। राखी सांवत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में बना हुआ है। जिसमें राखी सरकार पर निशाना साधती नजर आ रही है। अब हाल ही में राखी ने ऑक्सीजन की कमी के और कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत पर दुख जताते हुए सरकार पर जमकर निशाना साधा है। राखी ने ऐसे माहौल में लोगों की मदद कर रहे बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद और सलमान खान जमकर तारीफ की है। राखी ने कहा कि सोनू सूद और सलमान खान को देश का प्रधानमंत्री बना देना चाहिए। राखी का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें राखी कहती हैं कि, धिक्कार है ऐसे मंत्रियों पर। देश की जनता ने भरोसा किया। खुद तो फ्लाइट में अमेरिका जाकर आ गए। ऑरिजनल वैक्सीन लगवा कर आ गए। धिक्कार है ऐसे मंत्रियों पर जो देश की जनता पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। आज देश बर्बाद हो गया।' राखी सावंत आगे कहती हैं

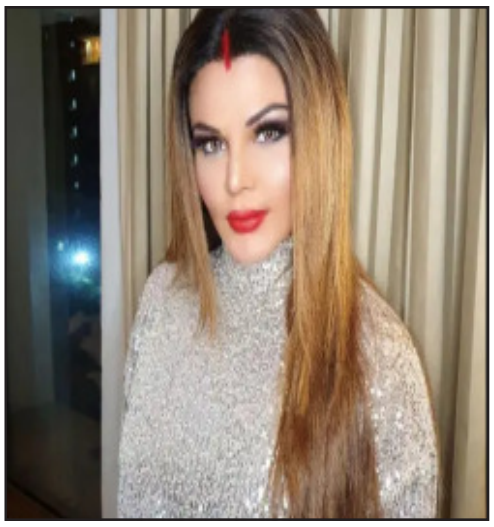

कि, 'इतनी मौतें हो गई हैं। इनका जिम्मेदार कौन है। देश नहीं चला सकते हो तो रिजाइन दे दो ना। देश चलाना मतलब क्या होता है। सिर्फ बातें करना नहीं होता। पावर है आप लोगों के हाथ में। कहीं से भी ऑक्सीजन मंगा सकते हो। मैं तो कहती हूं सलमान खान और सोनू सूद को देश का प्रधानमंत्री बना दिया जाए। ये लोग देखो कितना प्यार करते हैं अपने देश से।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक